	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.8.23	4	1-5

नवंबर तक हरा चारा दे सकती हैं मल्टी कट ज्वार की किस्में एसएसजी 59-3

ज्वार, बाजरा व लोबिया की देखभाल जरूरी, कटाई प्रबंधन से बढ़ाएं उत्पादन, मिलवां चारा देता है पशुओं को ज्यादा फायदा

भास्कर न्यूज़ | हिसार

ज्वार, बाजरा, मक्का और लोबिया फसलों की अगस्त में देखभाल बहुत ही जरूरी है। थोड़ी-सी देखभाल से चारा फसलों से पौष्टिकता एवं अधिक चारा उत्पादन लिया जा सकता है। चारा फसलों का उचित कटाई प्रबंधन भी होना जरूरी है जिससे चारे की पौष्टिकता व स्वादिष्टता दोनों ही प्रभावित होती है। मिलवां चारा खिलाने से पशुओं को अधिक फायदा होता है। जिसके लिए हम घास वर्गीय और दलहनी चारा को मिलाकर पशुओं को खिला सकते हैं। हरे चारे की कमी के दिनों में हरे चारे को अकेले खिलाने के बजाए सूखी तूड़ी या ज्वार, मक्की के हरे चारे या इनकी कड़वी के साथ मिलाकर भी खिलाया जा सकता है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने सलाह दी कि पशुधन की उत्पादकता को बनाए रखने के लिए हरे व सुखे चारे का उचित प्रबंधन अति आवश्यक है। इसके किसानों को जानकारी होना आवश्यक है।

मल्टी कट ज्वार को 45 दिनों के अंतराल पर काट लें, करते रहें सिंचाई

अधिक कटाई वाली व एक-कटाई वाली ज्वार में सिंचित इलाकों में 20 किलोग्राम नाइट्रोजन बिजाई के समय तथा 10 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के एक महीने बाद भी डालें। मल्टी कट ज्वार की किस्में एसएसजी 59-3 हमें नवंबर महीने तक हरा चारा दे सकती है। मल्टी कट ज्वार को 45 दिनों के अंतराल पर काट लें। यदि पर्याप्त वर्षा न हो तो प्रत्येक कट के बाद सिंचाई करें। हर कट के बाद 22 किलो यूरिया प्रति एकड़ डालें।

एचएयू के उगाई गई ज्वार की फसल।

कटाई प्रबंधन: चारा विभाग के वैज्ञानिक डा. सतपाल ने बताया की एक-कटाई वाली किस्मों की कटाई फूल आने पर करें जबकि अनेक कटाई वाली मल्टी कट ज्वार में पहली कटाई बुवाई के 55-60 दिन बाद करें। इसके बाद प्रत्येक कटाई 40-45 दिन के अंतराल पर करें। बहु कटाई वाली किस्मों की कटाई जमीन से 10-12 सेंटीमीटर ऊपर से करें। ज्वार में धूरिन नामक विषैला तत्व पाया जाता है जिसकी मात्रा 30-35 दिनों तक ज्यादा होती है। 50 दिन के बाद यह अपने आप कम होने लग जाता है।

बाजरा के साथ लोबिया की करें बुआई

बाजरा की फसल

बाजरे की बुवाई के समय 44 किलो यूरिया प्रति एकड़ व 22 किलो यूरिया बुवाई के एक महीने बाद डालें। 12 किलो फास्फोरस व 12 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ का प्रयोग भी करें। यह बुवाई के 50-55 दिनों के बाद कटाई के लिए तैयार हो जाता है। इससे प्रति एकड़ लगभग 160 क्विंटल हरा चारा मिलता है। बाजरे के साथ लोबिया मिलाकर बोना चाहिए।

50 % फूल आने पर करें लोबिया की कटाई

लोबिया की फसल

लोबिया की अच्छी बढ़वार के लिए 10 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। बिजाई से पहले सिंचित इलाकों में 25 किलोग्राम फास्फोरस तथा बारानी क्षेत्रों में 12 किलोग्राम फास्फोरस पोरा या ड्रिल से डालें। लोबिया की हरे चारे के लिए कटाई 50 प्रतिशत फूल आने से लेकर 50 प्रतिशत फलियां बनने तक पूरी कर लेनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17-8-23	5	6-8

अपने कर्तव्यों को निष्ठा व ईमानदारी से निभाना भी देशभक्ति : प्रो. कम्बोज

हकृवि में मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

हिसार, 16 अगस्त (विरेंद्र वर्मा): देश को आजादी दिलाने में जिन स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया हमें उन वीर सपूतों को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि उन्हीं की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देशवासियों विशेषकर युवाओं को स्वतंत्र भारत के लिए इन क्रांतिकारियों ने जो सपने संजोए थे उनको साकार करने का भरसक प्रयास करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल में 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने करतल ध्वनि के बीच ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

हकृवि के कैंपस स्कूल में आयोजित 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्टेज पर अनेकता में एकता की झलक पेश करते हुए बच्चे।

मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में देश को आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि चाहे कोई डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, किसान हो, सिपाही हो, खिलाड़ी हो, शिक्षक हो या फिर हम किसी भी रोल हो, हमें अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी, लगन व प्रेमपूर्वक से पूर्ण करना भी देशभक्ति है। उन्होंने देश के कृषि विकास में इस विश्वविद्यालय के योगदान पर विस्तार से चर्चा की और वर्तमान व भविष्य की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उसके बाद कुलपति ने कैंपस स्कूल के प्रांगण में पौधरोपण किया।

इस अवसर पर कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। नौवीं कक्षा की छात्रा अंजलि ने कविता के माध्यम से स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर-सपूतों व क्रांतिकारियों की वीर गाथा को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने देश-भक्ति के गानों पर नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर दर्शकों से तालियां बंटोरी। नन्हें-मुन्नों ने महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, भगत सिंह, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मंगल पांडे, डॉ. भीमराव आंबेडकर, सुभाषचंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई, विवेकानंद, चंद्रशेखर आजाद व सावित्री बाई फूले सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा धारण कर सभी को उनके देश को आजादी दिलवाने में दिए योगदान से परिचय करवाया। विद्यार्थियों ने नुक्कड नाटक के माध्यम से अनेक ज्वलंत मुद्दों पर जागरूक किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने हरियाणवीं डांस व योगाभ्यास की प्रस्तुतियां भी दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि ने नेशनल कैडेट कौर के कैडेटों को ए सर्टीफिकेट वितरित किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	17.8.23	9	1

शिक्षण संस्थानों समेत अन्य संस्थाओं ने भी मनाया आजादी का पर्व

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हकृवि में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कैंपस स्कूल में ध्वजारोहरण किया। इस मौके पर स्कूल की निदेशक संतोष काम्बोज, प्राचार्य सोमा सेखरा सर्मा धुलिपाला आदि उपस्थित रहें। उधर, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. वंदना बिश्नोई, कुलसचिव प्रो. अवनीश वर्मा, कुलपति के सलाहकार प्रो. संदीप राणा व प्रो. विनोद छोकर भी उपस्थित रहें। उधर, ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनीवर्सिटी के चांसलर डा पुनीत गोयल और प्रो चांसलर पूनम गोयल के नेतृत्व में 77वें स्वतंत्रता दिवस के पवन अवसर पर युनिवर्सिटी के प्रांगण में स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. एन पी कौशिक, प्रति कुलपति डॉ. अजय पोदार आदि मौजूद थे। राजकीय महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस पर प्राचार्यर डॉ. दीपमाला ने ध्वजारोहण किया। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यातिथि निगम के प्रबंध निदेशक अमित खत्री ने ध्वजारोहण किया। उधर, नगर निगम प्रशासन की ओर से 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। मेयर गौतम सरदाना ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त निगम आयुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा ने की। उधर, जिला न्यायालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस पर जिला सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल व बार प्रधान बंसी लाल गोदारा ने राष्ट्रध्वज तिरंगा फहराया और सलामी दी। उधर, कांग्रेस पार्टी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस भवन में ध्वजारोहण किया गया। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश सीनियर प्रवक्ता व जिला कन्वीनर बजरंग गर्ग पूर्व चेयरमैन डॉ. राजेंद्र सूरा, [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17.8.23	4	4-5

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया ध्वजारोहण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कैंपस स्कूल में ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। कुलपति ने कैंपस स्कूल के प्रांगण में पौधरोपण किया। नौंवी कक्षा की छात्रा अंजलि ने कविता के माध्यम से स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर-सपूतों व क्रांतिकारियों की वीर गाथा को प्रस्तुत किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.8.23	3	4-5

देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों ने प्राण न्यौछावर किए : प्रो. काम्बोज

हिसार | देश को आजादी दिलाने में जिन स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, हमें उन वीर सपूतों को नहीं भूलना चाहिए। हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने ये विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की प्राचार्या सोमा सेखरा शर्मा धुलिपाला, निदेशक संतोष काम्बोज समेत सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, गैर-शिक्षक कर्मचारी व छात्र मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	16.08.2023	--	--

कुलपति ने कैडेट्स को प्रदान किए सर्टिफिकेट्स

नभ-छोर न्यूज ⏭ 16 अगस्त

हिसार। देश को आजादी दिलाने में जिन स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया हमें उन वीर सपूतों को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि उन्हीं की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे कैंपस स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने करतल ध्वनि के बीच ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि ने नेशनल कैडेट कौर के कैडेट्स को ए सर्टीफिकेट वितरित किए। इससे पूर्व कैंपस स्कूल के प्राचार्य सोमा सेखरा सर्मा धुलिपाला ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशक संतोष काम्बोज आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	16.08.2023	--	--

हकृवि में मनाया गया 77वां स्वतंत्रता दिवस

अपने कर्तव्यों को निष्ठा व ईमानदारी से निभाना भी देशभक्ति : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 16 अगस्त। देश को आजादी दिलाने में जिन स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया हमें उन वीर सपूतों को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि उन्हीं की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देशवासियों विशेषकर युवाओं को स्वतंत्र भारत के लिए इन क्रांतिकारियों ने जो सपने संजोए थे उनको साकार करने का भरसक प्रयास करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल में 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने करतल ध्वनि के बीच ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में देश को आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि चाहे कोई डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, किसान हो, सिपाही हो, खिलाड़ी हो, शिक्षक हो या फिर हम किसी भी रोल हो, हमें अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी, लगन व प्रेमपूर्वक से पूर्ण करना भी देशभक्ति है। उन्होंने युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि देश को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें अनुशासन व नैतिक मूल्यों को जीवन में धारण करके देश की उन्नति में अपना पूरा योगदान देना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों व अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानने और उनमें निखार लाने में बड़ी भूमिका अदा करें। संबोधन के दौरान मुख्यातिथि ने आजादी का अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान में शामिल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व विद्यार्थियों द्वारा दिए गए योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने देश के कृषि विकास में इस विश्वविद्यालय के योगदान पर विस्तार से चर्चा की और वर्तमान व भविष्य की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उसके बाद कुलपति ने कैंपस स्कूल के प्रांगण में पौधारोपण किया। उक्त अवसर पर कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। नौवीं कक्षा की छात्रा अंजलि ने कविता के माध्यम से स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर-सपूतों व क्रांतिकारियों की वीर गाथा को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने देश-भक्ति के गानों पर नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर दर्शकों से तालियां बटोरी। नन्हें-मुन्नों ने महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, भगत सिंह, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मंगल पांडे, डॉ. भीमराव आंबेडकर, सुभाषचंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई, विवेकानंद, चंद्रशेखर आजाद व सावित्री बाई फूले सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा धारण कर सभी को उनके देश को आजादी दिलवाने में दिए योगदान से परिचय करवाया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अनेक ज्वलंत मुद्दों पर जागरूक किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने हरियाणवी डांस व योगाभ्यास की प्रस्तुतियां भी दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि ने नेशनल कैडेट कोर के कैडेटों को ए सर्टीफिकेट वितरित किए। इससे पूर्व कैंपस स्कूल के प्राचार्य सीमा सेखड़ा सर्मा धुलिया ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशक श्रीमती संतोष काम्बोज सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों केअधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, गैर-शिक्षक कर्मचारी व छात्र मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	16.08.2023	--	--

अपने कर्तव्यों को निष्ठा व ईमानदारी से निभाना भी देशभक्ति : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। देश को आजादी दिलाने में जिन स्वतंत्रता सेनानियों व क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया हमें उन वीर सपूतों को नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि उन्हीं की बदौलत आज हम खुली हवा में सांस ले रहे हैं। देशवासियों विशेषकर युवाओं को स्वतंत्र भारत के लिए इन क्रांतिकारियों ने जो सपने संजोए थे उनको साकार करने का भरसक प्रयास करना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल में 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने करतल ध्वनि के बीच ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

मुख्यातिथि ने अपने संबोधन में देश को आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों व स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि चाहे कोई डॉक्टर हो, इंजीनियर हो, किसान हो, सिपाही हो, खिलाड़ी हो, शिक्षक हो या फिर हम किसी भी रोल में हों, हमें अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा, ईमानदारी, लगन व प्रेमपूर्वक से पूर्ण करना भी देशभक्ति है। उन्होंने युवाओं को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि देश को उनसे बहुत अपेक्षाएं हैं। उन्हें अनुशासन व नैतिक मूल्यों को जीवन में धारण करके देश की उन्नति में अपना पूरा योगदान देना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों व अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानें और उनमें निखार लाने में बढ़ी भूमिका अदा करें। संबोधन के दौरान मुख्यातिथि ने आजादी का अमृत महोत्सव और हर घर तिरंगा अभियान में शामिल विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व विद्यार्थियों द्वारा दिए गए योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने देश के कृषि विकास में इस विश्वविद्यालय के योगदान पर विस्तार से चर्चा की और वर्तमान व भविष्य की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। उसके बाद कुलपति ने कैंपस स्कूल के प्रांगण में पौधारोपण किया। इस अवसर पर कैंपस स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। नौवीं कक्षा की छात्रा अंजलि ने कविता के माध्यम से स्वतंत्रता दिलाने वाले वीर-सपूतों व क्रांतिकारियों की वीर गाथा को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने देश-भक्ति के गानों पर नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर दर्शकों से तालियां बटोरी। नन्हें-मुन्नों ने महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, भगत सिंह, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मंगल पांडे, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सुभाषचंद्र बोस, रानी लक्ष्मीबाई, विवेकानंद, चंद्रशेखर आजाद व सावित्री बाई फुले सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा धारण कर सभी को उनके देश को आजादी दिलवाने में दिए योगदान से परिचय करवाया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अनेक ज्वलंत मुद्दों पर जागरूक किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने हरियाणवी डांस व योगाभ्यास की प्रस्तुतियां भी दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्यातिथि ने नेशनल कैडेट कौर के कैडेटों को ए सर्टिफिकेट वितरित किए।

इससे पूर्व कैंपस स्कूल के प्राचार्य संगीता शर्मा धूलिवाला ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कैंपस स्कूल की निदेशक संतोष काम्बोज सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण, गैर-शिक्षक कर्मचारी व छात्र मौजूद रहे।